RNI NO. : MAHHIN/1998/02261

महाराष्ट्र क्राईम्स

वर्ष 22 | अंक 07 | मुंबई, 05 मई, 2023 | पृष्ठ : 8 | कीमत : 5 रुपये | प्रधान संपादक : सिराज चौधरी

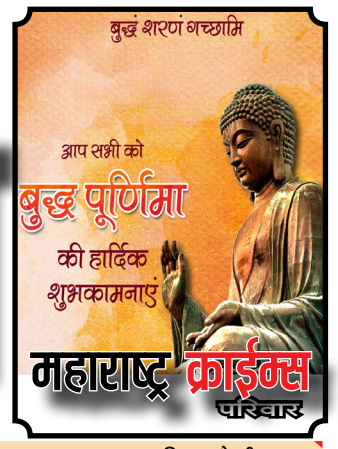

एम.प्रभाग के अधिकारी अरुण गजने के आशीर्वाद से चल रहा है

अवैध बांधकाम !

शफीक शाह नामक ठेकेदार 30 फुट चौड़ा 30 फुट लम्बा और तल मजले के ऊपर दो माले का व्यवसायिक गोदाम का अवैध निर्माण कार्य

महाराष्ट्र क्राइम्स सवाददाता

मुंबई, शहर को शाँघाई बनाने का एक बड़ा सपना मुंबई महानगरपालिका का है और इसके लिये मुंबई शहर में यह सपना धीरे धीरे पुरा हो रहा था। लेकिन अब यह सपना जल्द पूरा होने जैसा नही लग रहा है। मुंबई महानगरपालिका धीरे धीरे मुंबई की दिन ब दिन बढ़ती झोपडपट्टीओं को खत्म कर रही एस. आर. ए. और रिडेवेलोपमेंट की अनुमती दे कर मुंबई की झोपडपट्टी की जगह अब मुंबई महानगरपालिका नये नियमों के तहत विकास कर रही है। मुंबई में खाली व सरकारी जगहों पर लोग अवैध रूप से झोपडे ना बनाये इसके लिये मुंबई महानगरपालिका ने मुंबई रीजनल टाउन प्लानिंग (एम.आर.टी.पी.) कायदा लागु किया है, लेकिन यह कायदा बोलने और सुनने के लिये ठीक है, इस कायदे पर कोई भी अधिकारी काम नही करता और करेगा भी क्यों? वह इस लिये की इस कायदे का पालन ना करने के लिये उन्हें अवैध बांधकाम करने वाले और जगहों पर कब्जा करने वाले उन अधिकारियो को इसके एवज में अच्छीखासी रकम देते है। हमारे संवाददाता के अनुसार एम. प्रभाग के नियंत्रण में वार्ड क्र १५० के अंतर्गत गल्ली क्र ७, कादरिया नगर, पी.एल. लोखंडे मार्ग चेम्बूर पश्चिम, मुंबई - ८९ इस पते पर शफीक शाह नामक ठेकेदार ३० फुट चौड़ा ३० फुट लम्बा और तल मजले के ऊपर दो माले का व्यवसायिक गोदाम का अवैध निर्माण कार्य कर रहा है। यह

काम शफीक ठेकेदार खुलेआम कर रहा है। वह इस लिये की ठेकेदार शफीक शाह ने वार्ड क्र १५० के मुकादम अरुण गजने के माध्यम से एम. प्रभाग के सहाय्यक आयुक्त चौहान साहब ३० हजार रुपए, मुख्य अभियंता ३० हजार रुपए, सह अभियंता २० हजार रुपए, कनिष्ठ अभियंता स्मोवंशी १० हजार रुपए, इसी के साथ एम. प्रभाग के डी.एम.सी.काले साहब ३० हजार रुपए, अतिक्रमण निर्मूलन अधिकारी २० हजार रुपए और खुद के १० हजार रुपए इस तरह से कुल (मिलाकर १,५०,०००) डेढ़ लाख रुपए अरुण गजने ने ठेकेदार से लिये है और पूरी खात्री के साथ यह आश्वासन दिया दिया है की ना ठेकेदार पर एम. आर.टी.पी.की कानूनी कारवाई होगी और ना ही इस बांधकाम पर तोडक कारवाई होगी। स्थानिक जानकारों का कहना की एक वार्ड का मुकादम जब इतने विश्वास के साथ एक अवैध निर्माणकर्ता को इस तरह का आश्वासन देगा, तो कैसे नही ठेकेदार का मनोबल बढ़ेगा?

कहां से और कैसे मुंबई में अवैध तरीके से होने वाले बांधकाम पर रोक लगाने में कामयाब मिलेगी? जब इस तरह के भ्रष्ट जिमेदार रहेगे तब तक मुंबई शहर का शंघाई बनना मुश्किल है।

अब देखना यह है कि ठेकेदार शफीक शाह और अरुण गजने द्वारा बनाये जा रहे अवैध निर्माण पर कानूनी कारवाई करने में कितनी सक्षम रहेगी मुंबई महानगर पालिका?

बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर उपासकों को भोजनदान

नरेंद्र विष्णु भंडारे साहब (बहुजन मुक्ति पार्टी लोकसभा अध्यक्ष) श्रुतिताई नरेंद्र भंडारे व परिवार ने बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर उपासकों को भोजन कराया।

विशेष सहयोगः केतन मनोहर कदम (बौद्ध इंटरनेशनल नेटवर्क), नितिन दादा भास्कर दामोदरे (बहुजन मुक्ति पार्टी) विशाल वसंत इंगले (बौद्ध इंटरनेशनल नेटवर्क) ज्योति केतन कदम (बहुजन मुक्ति पार्टी महिला विधानसभा अध्यक्ष) सलीम शेख (बहुजन मुक्ति पार्टी विधानसभा अध्यक्ष) निजाम शेख (राष्ट्रीय मुस्लिम मोर्चा वार्ड अध्यक्ष विक्रोली) सुषमा व नितिन दामोदरे, बालू (राष्ट्रीय ईसाई मोर्चा), अशोक साल्वे (रूपायतन डेकोरेटर), नरेंद्र विष्णु भंडारे व परिवार.

प्रत्येक जोन में ५ हजार पीएपी फ्लैट्स की आवश्यकता

बिल्डरों को मनेपा सहूलियत प्रदान कर रिझाएगी

मुंबई : महानगर में मनपा की कई परियोजनाओं को पूरा करते समय परियोजना प्रभावितों को शिफ्ट करना मनपा की जिम्मेदारी होती है। पीएपी के लिए मनपा फ्लैट्स तैयार कराती है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से मनपा ने पीएपी फ्लैट्स नहीं बनाए हैं, जिसके चलते अब मनपा पर दबाव बढ़ने लगा है। फिलहाल, मनपा को प्रत्येक जोन में ५ हजार पीएपी फ्लैट्स की आवश्यकता है। मनपा की खराब नीतियों के कारण पीएपी फ्लैट्स को बनाने के लिए बिल्डर रुचि नहीं दिखा रहे हैं। तीन बार इसका टेंडर फेल हो गया, अब मनपा ने चौथी बार टेंडर निकालने की योजना बनाई है। इस बार बिल्डरों को मनपा सहूलियत प्रदान कर रिझाएगी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मौजूदा परियोजनाओं को देखते हुए भविष्य में मनपा को लगभग ३५ हजार पीएपी फ्लैट्स की जरूरत है। ऐसे में अगले दो सालों में मनपा पर काफी बोझ होगा। मनपा के अधिकारियों की लापरवाही का नतीजा है कि अब तक शहर में ५ हजार फ्लैट्स के निर्माण के लिए अलग-अलग टेंडर जारी किया गया, लेकिन बिल्डरों ने कोई रुचि नहीं दिखाई। बिल्डरों के अनुसार, मनपा की शर्तों के अनुसार काम करना मुश्किल था। बिल्डरों की मांग थी कि टीडीआर के अलावा अन्य सुविधाएं भी उन्हें प्रदान की जाएं। मनपा अब पीएपी फ्लैट्स के लिए भूमि मालिक व बिल्डर को लैंड टीडीआर और निर्माण टीडीआर के अलावा अन्य क्रेडिट नोटों के रूप में भुगतान करेगी। मनपा को इससे तुरंत नकद भुगतान नहीं करना पड़ेगा, वे क्रेडिट नोट बेचकर इमारत निर्माण के लिए नगदी ले सकेंगे। मनपा पांच जगहों पर निजी भूखंडों पर लगभग ३०० वर्ग फुट आवासीय और कमर्शियल गाले बनाने की तैयारी में है। भविष्य में मनपा क्षेत्र में ३५ हजार फ्लैट्स की आवश्यकता है।

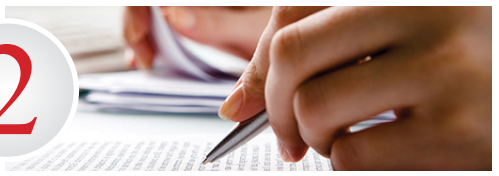

संपादकीय

कर्नाटक के चुनाव परिणामों का असर

ज्यों-ज्यों कर्नाटक में मतदान की तिथि दस मई करीब आ रही है राज्य में चुनाव प्रचार तल्ख व तेज होता जा रहा है। दोनों राष्ट्रीय दलों भाजपा व कांग्रेस ने चुनाव जीतने के लिये सब-कुछ दांव पर लगा दिया है। यह माना जा रहा है कि कर्नाटक के चुनाव परिणामों का असर अगले साल होने वाले आम चुनाव व कुछ राज्यों में इस साल होने वाले महत्वपूर्ण विधानसभा चुनावों पर पड़ेगा। यही वजह कि दोनों दल आसमान से तारे तोड़ लाने के सब्जबाग जनता को दिखा रहे हैं। दरअसल, वर्ष 2019 में कांग्रेस व जनता दल (एस) सरकार के पतन के बाद राज्य में सत्ता में आई भाजपा के लिये अपनी उपलब्धियां गिनाने के लिये बहुत कुछ नहीं है। यही वजह कि पार्टी समान नागरिक संहिता व राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर जैसे मुद्दे लेकर सामने आई है। पार्टी कह रही है कि समान नागरिक संहिता लैंगिक न्याय और मुस्लिम महिलाओं के लिये समान अधिकार सुनिश्चित करेगी। दरअसल, इस राज्य में तेरह फीसदी मुस्लिम आबादी में सेंध लगाने की कोशिश भाजपा कर रही है। हालांकि, मुस्लिमों के लिये चार फीसदी ओबीसी कोटा खत्म करने के भाजपा सरकार के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। लेकिन पार्टी की कोशिश है कि कांग्रेस को एकमुश्त मुस्लिम वोट पड़ने से कैसे रोका जाये। जहां तक भाजपा व कांग्रेस के चुनावी घोषणा पत्रों का प्रश्न है तो दोनों ही लोकलुभावने वायदे पूरे करने में आगे हैं। हालांकि, नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय स्तर पर रेवड़ी संस्कृति का मुखर विरोध करते रहे हैं। लेकिन लगता है कांग्रेस के लोकलुभावने व मुफ्त के वायदों ने भाजपा को भी इसी ट्रैक पर चलने के लिये बाध्य कर दिया है। अब भाजपा ने अपने घोषणापत्र में वायदा किया है कि बीपीएल परिवारों को साल में तीन गैस सिलेंडर युगादी, गणेश चतुर्थी और दीवाली पर मुफ्त दिये जाएंगे। साथ ही पोषण योजना के तहत प्रत्येक बीपीएल परिवार को हर दिन आधा लीटर नंदिनी दूध तथा हर महीने पांच किलो मोटा अनाज दिया जायेगा।

वहीं दूसरी ओर कांग्रेस भी रेवड़ियां बांटने में पीछे नहीं रही है। उसने राज्य सरकार द्वारा संचालित बसों में महिलाओं को मुफ्त यात्रा, परिवार की महिला मुखिया को दो हजार रुपये मासिक सहायता, दो सौ यूनिट तक बिजली मुफ्त तथा 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के स्नातक बेरोजगारों को तीन हजार तथा डिप्लोमा धारकों को डेढ़ हजार बेरोजगारी भत्ता देने का वायदा चुनाव घोषणा पत्र में किया है। जनता दल (एस) ने भी अपने घोषणा पत्र में कृषक समुदाय तथा महिला स्वयं सहायता समूहों के लिये लोक लुभावनी घोषणा की है। वहीं दूसरी ओर राज्य में धार्मिक कट्टरवाद को समाप्त करने की बात कह कर कांग्रेस ने संघ परिवार के संगठन बजरंग दल व प्रतिबंधित पीएफआई पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। उल्लेखनीय है कि राजग सरकार ने पीएफआई पर पहले ही पांच साल का बैन लगा रखा है। कांग्रेस की इस घोषणा ने भाजपा को नया अस्त्र दे दिया है। अब इस चुनाव में बजरंगबली का मामला भी बड़ा मुद्दा बनकर कांग्रेस के लिये नई मुसीबत खड़ा कर रहा है। इस तरह से बेहद दिलचस्प हो चले कर्नाटक के चुनाव में ध्रुवीकरण और लोकलुभावन नीतियां बड़ी चुनौती पैदा कर रही हैं। दोनों पार्टियां अपने लक्षित वर्ग को भुनाने के लिये जमीन-आसमान एक कर रही हैं। कांग्रेस के गढ़ रहे कर्नाटक में पार्टी अपनी खोयी विरासत फिर हासिल करने को बेताब है, वहीं भाजपा अपने इस दक्षिण के द्वार को किसी कीमत पर बंद नहीं होने देना चाहती। जिसके चलते चुनाव के अंतिम चरण में प्रवेश करने के बाद दोनों पार्टियां ऐड़ी-चोटी का जोर लगा रही हैं। बहरहाल, कमजोर तबकों के सशक्तीकरण के नाम पर मुफ्त की रेवड़ियां बांटने का खेल बदस्तूर जारी है। राजनीतिक दलों की छवि इतनी निस्तेज हो चली है कि वे मुफ्त की रेवड़ियों के सहारे चुनावी वैतरणी पार करने की कवायद में जुटे हैं। विडंबना ही है कि आजादी के अमृतकाल तक सफर करने तक हम मतदाताओं को इतना विवेकशील नहीं बना पाये कि वे छोटे लाभ के लिये अपने कीमती वोट राजनेताओं की झोली में न डालें।

ग्यासपुरा त्रासदी

पंजाब में लुधियाना के ग्यासपुरा में जहरीली गैस रिसाव में ग्यारह लोगों की मौत उद्योग जगत की लापरवाही व नियामक तंत्र की कोताही को दशार्ती है। दुखद यह है कि इस हादसे में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हुई है। विडंबना है कि इन हादसों में बेकसूर लोग दूसरे लोगों की आपराधिक लापरवाही की कीमत अपनी जान देकर गंवाते हैं। प्राथमिक जांच से संकेत मिले हैं कि हवा में हाइड्रोजन सल्फाइड गैस के उच्च स्तर का पता चला था। यह भी कि इस औद्योगिक इलाके में औद्योगिक इकाई द्वारा रासायनिक अपशिष्ट सीवर लाइन में बहाये जाने की वजह से जहरीली गैस उत्पन्न हुई। अधिक परेशानी वाली बात यह है कि घनी आबादी वाले ग्यासपुरा में घरों व दुकानों को अपनी चपेट में लेने वाली गैस मैनहोल से निकली थी। आशंका जतायी जा रही है कि सीवर लाइन में बहाये गये रासायनिक कचरे की सीवेज गैसों की प्रतिक्रिया के स्वरूप जहरीली गैस का रिसाव हुआ। जाहिर है इस तरह का रासायनिक कचरा लंबे समय से बहाया जा रहा होगा। लेकिन निगरानी तंत्र की लापरवाही के चलते ये हादसा हुआ है। अब मजिस्ट्रियल जांच और हाल में एसआईटी के गठन के बाद आपराधिक लापरवाही करने वालों पर शिकंजा कसा जायेगा। इस लापरवाही की जवाबदेही तय करने के बाद कड़ा दंड ही ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति रोक सकता है। दरअसल इस इलाके में बड़ी संख्या में औद्योगिक इकाइयां कार्यरत हैं, लेकिन उसके बावजूद आसपास घनी आबादी बनी हुई है। जिसमें बड़ी संख्या कामगारों में शामिल प्रवासी लोगों की रही है। निस्संदेह, यदि समय रहते कदम न उठाये जाते तो हादसे का दायरा बड़ा हो सकता था। तुरत-फुरत लोगों को प्रभावित इलाके से हटाने और गैस के स्रोत को सील करने का काम किया गया। साथ ही राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की कार्रवाई तेज व प्रभावी रही। प्रयास किया गया कि रासायनिक पदार्थों के अवशेष बाकी न रहें तथा क्षेत्र में पानी के नमूनों की भी जांच की गई।

कहा जा रहा है कि नगर निगम और स्थानीय प्रशासन की लापरवाही भी हादसे की वजह बनी होगी। प्रशासन को अब यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति न हो। साथ ही नियामक संस्थाओं की भूमिका की जांच करके सख्त कार्रवाई करनी होगी। उल्लेखनीय है कि देश में 1984 में घटी सबसे बड़ी औद्योगिक दुर्घटना भोपाल गैस त्रासदी के बाद ऐसे हादसों को रोकने के लिये बड़े पैमाने पर अभियान चलाए गये थे। उसके बाद पर्यावरण संरक्षण कानून बनाये गये, आपदा प्रबंधन एजेंसियों की सक्रियता बढ़ी तथा हादसों को रोकने के लिये सतर्कता उपायों पर विचार हुआ। लेकिन उसके बाद औद्योगिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में लापरवाही का सिलसिला फिर शुरू हो गया। बताया जाता है कि पिछले एक दशक में रासायनिक विषाक्तता से जुड़ी करीब 130 दुर्घटनाएं दर्ज की गईं। दरअसल देश में औद्योगिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये मौजूद तकनीक, वैज्ञानिक अनुसंधान और उन्हें लागू करने वाली नौकरशाही में तालमेल का नितांत अभाव देखा गया है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि रासायनिक अपशिष्ट के निस्तारण की प्रक्रिया को विज्ञान सम्मत ढंग से अमली जामा नहीं पहनाया जाता है। निर्विवाद रूप से यह लंबी प्रक्रिया है लेकिन इसमें कोताही का कतई स्थान नहीं है क्योंकि यह प्रश्न आम लोगों के जीवन से जुड़ा है। निस्संदेह, ग्यासपुरा की त्रासदी एक चेतावनी देती है कि पर्यावरण नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई का अभाव बड़े हादसों को जन्म दे सकता है। मृतकों के प्रति संवेदना जताने और मुआवजा बांटने की औपचारिकताओं से इतर ऐसी आपराधिक लापरवाही में लिप्त औद्योगिक इकाइयों के मालिकों तथा निगरानी करने वाली नियामक संस्थाओं के जिम्मेदार लोगों को सख्त सजा देने का प्रावधान सुनिश्चित करना जरूरी है। ऐसा नहीं कि अधिकारियों को पता नहीं होगा कि रासायनिक अपशिष्ट सीवर लाइन में बहाये जा रहे हैं। जरूरत इस बात की भी है कि औद्योगिक इकाइयों की स्थापना आबादी से दूर के इलाकों में की जाये। साथ ही नागरिकों का भी दायित्व है कि उद्योगों की ऐसी लापरवाही के खिलाफ आवाज उठायें और शासन-प्रशासन के साथ सहयोग करके उस पर रोक लगवायें।

स्थिरता की गारंटी

करीब पांच दशक पहले जयप्रकाश नारायण की अगुआई में बिहार की धरती से तत्कालीन केंद्र सरकार के खिलाफ जो आवाज उठी, वह देखते ही देखते पूरे देश का सुर बन गई थी। इन दिनों बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कुछ इसी अंदाज में मौजूदा केंद्र सरकार के खिलाफ विपक्षी दलों को एकजुट करने के अभियान में जुट गए हैं। उनकी कोशिश विरोधी दलों को गोलबंद करके अगले साल के लोकसभा चुनावों में भाजपा को चुनौती देने की है। इसके लिए हाल में उन्होंने ममता बनर्जी और अखिलेश यादव से मुलाकात की। इससे पहले वह कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से भी मिल चुके हैं।

करीब पांच दशक पहले जयप्रकाश नारायण की अगुआई में बिहार की धरती से तत्कालीन केंद्र सरकार के खिलाफ जो आवाज उठी, वह देखते ही देखते पूरे देश का सुर बन गई थी। इन दिनों बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कुछ इसी अंदाज में मौजूदा केंद्र सरकार के खिलाफ विपक्षी दलों को एकजुट करने के अभियान में जुट गए हैं। उनकी कोशिश विरोधी दलों को गोलबंद करके अगले साल के लोकसभा चुनावों में भाजपा

को चुनौती देने की है। इसके लिए हाल में उन्होंने ममता बनर्जी और अखिलेश यादव से मुलाकात की। इससे पहले वह कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से भी मिल चुके हैं। हालांकि तब के आंदोलन और आज की गोलबंदी में बुनियादी अंतर है। नीतीश कुमार जिस गैर-कांग्रेसवाद की उपज हैं, आज उसी कांग्रेस के साथ हाथ मिला रहे हैं। उनके सहयोगी तेजस्वी यादव ने तो गैर-कांग्रेसवाद के दौर को देखा तक नहीं है, लेकिन उनके पिता लालू यादव भी उसी गैर-कांग्रेसवाद की उपज हैं। दिलचस्प यह है कि जो ममता बनर्जी आज बिहार के नेता के साथ मिलकर आवाज उठाती दिख रही हैं, उनकी राजनीतिक यात्रा कोलकाता में जयप्रकाश नारायण की कार को रोकने और उसके बोनट पर चढ़कर हंगामा करने से शुरू हुई थी। ममता बनर्जी को अब नीतीश कुमार में उम्मीद दिख रही है, लेकिन 22 साल पहले जब तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने उन्हें रेल मंत्री बनाया था तो वह भड़क गई थीं। उन दिनों ममता बनाम समता का जुमला खूब प्रचलित हुआ था। तब नीतीश कुमार जार्ज फर्नांडिस की अगुआई वाली समता पार्टी के नेता थे। राजनीतिक संबंधों की इस उलटबांसी के अतीत को जानना इसलिए जरूरी है कि क्या जो कल तक सत्ता के लिए खींचतान करते रहे, वे भविष्य में उसके लिए खींचतान से दूर रहेंगे। इसकी वजह यह है कि पूर्व में तीन बार गैर-कांग्रेस दलों की सरकारें बनीं। पहली सरकार 1977 में बनी, जबकि दूसरी 1989 में और तीसरी 1996 में। तीनों ही सरकारों में समाजवादी धड़ा मुख्य भूमिका में रहा। पहली दो बार भाजपा भी सहयोगी रही, लेकिन तीनों ही सरकारें अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सकीं। दरअसल समाजवादियों ने डा. लोहिया के सुझाव ह्यसुधरो या टूट जाओह्ण में से टूट जाओ को ही अपना ध्येय वाक्य माना। वैसे भारतीय समाजवादी राजनीति का इतिहास सुधरने के बजाय टूटने का ज्यादा रहा है। ऐसे में सवाल यह है कि नीतीश कुमार की अगुआई में भावी गठबंधन अगर सफल होता भी है तो क्या वह स्थिरता की गारंटी होगा? यह भी नहीं भूलना चाहिए कि अस्थिरता की कीमत आर्थिक रूप से राष्ट्र को कहीं ज्यादा चुकानी पड़ती है। राष्ट्र को बार-बार चुनावों का सामना करना पड़ता है। चुनावी आचार संहिता के चलते विकास कार्य कुछ महीनों के लिए रुक जाते हैं। गैर-भाजपा गठबंधन में अब तक अपनी सबसे बड़ी भूमिका देख रही कांग्रेस फूंक-फूंक कर कदम रख रही है। राहुल गांधी ने नीतीश कुमार को जिस तरह तवज्जो दी, उससे माना जा रहा है कि वह अपने लिए खुद तय किए हुए स्पेस में कटौती कर रहे हैं। इसमें कांग्रेस उन अरविंद केजरीवाल का भी साथ लेने से नहीं हिचक रही, जिनका पूरा भ्रष्टाचार विरोधी अभियान कांग्रेस के खिलाफ रहा। कांग्रेस की बुनियाद को केजरीवाल ने भाजपा से ज्यादा चोट पहुंचाई है।

पति की हत्या के आरोप में पत्नी और उसका प्रेमी गिरफ्तार

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले में अपने पति की हत्या करने और शव को पहाड़ी इलाके में फेंकने के आरोप में पुलिस ने 24 वर्षीय एक महिला और उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। साहापुर प्रमंडल के पुलिस उपाधीक्षक विकास नाइक ने बताया कि 24 अप्रैल को नासिक-मुंबई राजमार्ग पर स्थित कसारा घाट घाटी में एक मंदिर के पीछे एक अज्ञात व्यक्ति का सड़ा-गला शव मिला था।

उन्होंने बताया कि पुलिस जांच दल ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया था। पुलिस ने बाद में पीड़ित की पहचान डोंबिवली इलाके के एक सब्जी विक्रेता सुनील कोठेरे (28) के रूप में की। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने अलग-अलग सूचनाओं के आधार पर मंगलवार को मृतक की पत्नी कोमल सुनील कोठेरे और उसके प्रेमी मोनुकुमार त्रिलोकनाथ खरवार (28) को गिरफ्तार किया।

खरवार भी एक सब्जी विक्रेता है। अधिकारी ने बताया कि शव बरामद होने के बाद पुलिस ने दुर्घटनावश मौत की रिपोर्ट दर्ज की थी। जांच के बाद, उन्होंने आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 (हत्या), 201 (अपराध के साक्ष्य को मिटाना) और 34 (साझा मंशा) के तहत मामला दर्ज किया।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति के एक और सहयोगी को पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है, जो इस मामले में आरोपी है।

मुंबई से लेकर दिल्ली तक होगा शरद पवार के इस्तीफे का असर...

एक बार फिर गरमायी महाराष्ट्र की सियासत

मुंबई : शरद पवार के राकांपा अध्यक्ष पद से इस्तीफे के महाराष्ट्र से लेकर राष्ट्रीय राजनीति तक पड़ने वाले प्रभाव की हर ओर चर्चा हो रही है। सबसे अहम बात यह है कि पवार ने यह निर्णय अकेले नहीं किया है। पत्नी प्रतिभा, बेटी सुप्रिया और भतीजे अजीत पवार इस प्रक्रिया में शामिल रहे हैं। बड़े राजनीतिक फैसले की घोषणा के लिए पुस्तक विमोचन सरीखा अराजनीतिक अवसर चुना गया। इस्तीफे की घोषणा शरद पवार ने लिखित संदेश पढ़कर की और राष्ट्रीय राजनीति के महत्व की सूचना मानते हुए इसकी अंग्रेजी प्रति भी वितरित की गई। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि अजीत पवार के अंतिम सांस तक पार्टी में बने रहने के बयान के बावजूद राकांपा में विभाजन के कयास खत्म न होने पर पवार इसी प्रकार का बड़ा प्रभाव चाहते थे। अजीत ने जब कार्यकर्ताओं को इस्तीफे का फैसला स्वीकार करने के लिए मनाने का प्रयास किया तो उन पर अविश्वास का भाव भी दिखा। कार्यकर्ता चाहते थे कि सुप्रिया सुले बोलें और अपने पिता से भी आग्रह करें। हालांकि अजीत के मना करने पर सुप्रिया नहीं बोलीं। यदि पवार इस्तीफा देने पर अड़े रहें तो ऐसे में राकांपा को नया नेता चुनना होगा, कोई दमदार व्यक्ति या रबर स्टैंप। अजीत ने मंगलवार को कहा कि वह अध्यक्ष पद के इच्छुक नहीं हैं। क्या सुप्रिया चुनी जाएंगी या कोई और?

अजीत के अनुसार पवार को वरिष्ठ पार्टी नेताओं ने एक कार्यकारी अध्यक्ष बनाने का भी सुझाव दिया है ताकि राष्ट्रीय अध्यक्ष पर बोझ कम रहे। यहां राष्ट्रीय अध्यक्ष से मतलब शरद पवार से ही है। ऐसे में राकांपा पर पवार का ही नियंत्रण रहेगा, जब तक वह चाहेंगे। यदि पवार कार्यकारी अध्यक्ष पर पूरा नियंत्रण रखेंगे और राजनीतिक गतिविधियों, रणनीति बनाने व प्रचार में भाग लेंगे तो महाविकास आघाड़ी को भी अति आवश्यक चुनावी संबल मिलेगा।

क्या होगा यदि पवार फैसला वापस ले लें

बड़ा प्रश्न है कि क्या होगा यदि पवार इस्तीफा वापस ले लेते हैं? इससे राकांपा के लिए कुछ नहीं बदलेगा क्योंकि उसके लिए शरद पवार ही सब कुछ रहे हैं और वही फिर इस स्थिति में बने रहेंगे। मंगलवार को अचानक की गई इस्तीफे की घोषणा भी इस बात को पुष्ट करती है कि पार्टी के सुप्रीम नेता का वर्चस्व और नियंत्रण किसी भी स्थिति में कायम रहता है। एक और बात साफ है कि पवार के खिलाफ साजिश रचने वालों, असंतुष्टों और राजनीतिक दुश्मनों के सहयोगियों का एक भी गलत कदम उन पर खासा भारी पड़ेगा।

भिवंडी में बंदूक और चाकू की नोंक पर लूटने वाले तीन गिरफ्तार

भिवंडी : भिवंडी शहर और ग्रामीण परिसर में पैदल चलने वाले राहगिरों सहित होटल, पान पट्टी और ड्यूटी खत्म कर रात में अकेले घर पर जा रहे पावरलूम मजदूरों को बंदूक और चाकू दिखाकर लूटपाट करने की घटनाएं घटित हुई। भिवंडी क्राइम ब्रांच युनिट के पुलिस ने अपराध को अंजाम देने वाले फातमा नगर, शांति नगर निवासी नौशाद उर्फ अतीक हलीम अंसारी, इमरान अख्तर सय्यद और रोशन अली बरकत अली सय्यद को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस टीम ने इनके पास से दो देसी कट्टा, पांच जिंदा कारतूस और नौ धारदार चाकू बरामद किया है। शांति नगर पुलिस ने इस गिरोह का सरगना पंडित को एक देसी बंदूक और कारतूस के साथ पहले ही गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार, शहर के कई परिसरों में पैदल जा रहे मजदूरों के साथ मारपीट और लूटपाट की घटनाएं बढ़ गई थी। भिवंडी अपराध शाखा के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सचिन गायकवाड़ के मार्गदर्शन में क्राइम ब्रांच पुलिस ने शांति नगर के आशा कंपाउंड से नौशाद उर्फ अतीक हलीम अंसारी, इमरान अख्तर सय्यद और रोशन अली बरकत अली सय्यद को हिरासत में ले लिया।

पुलिस ने जप्त किया देसी कट्टा, कारतूस और चाकू

तलाशी के बाद इनके पास से देसी कट्टा , पांच जिंदा कारतूस और नौ धारदार चाकू, 15 मोबाइल फोन और नकदी रकम सहित कुल 1 लाख 70 हजार रुपए का माल बरामद किया है। आरोपियों की गिरफ्तारी से पुलिस ने शहर के विभिन्न पुलिस स्टेशन में दर्ज आठ मामले को सुलझाने का दावा किया है।

हर दिन 3 से 5 करोड़ रुपये तक की करता था साइबर ठगी,

सिर्फ 12वीं तक पढ़ा, हैरान कर देगी इस शातिर की कहानी

मुंबईः बांगुर नगर पुलिस ने साइबर क्राइम से जुड़े एक ऐसे गिरोह का खुलासा किया है, जिसका लिंक चीन से है। इस गिरोह के पांच आरोपियों को पुलिस ने कोलकाता, मुंबई और विशाखापत्तनम से गिरफ्तार किया है। ये आरोपी मुंबई पुलिस के 50 से अधिक पुलिस अधिकारियों के नाम और उनके फोटो का इस्तेमाल कर साइबर ठगी की वारदात को अंजाम दिया करते थे। पुलिस के अनुसार, गिरोह का मास्टरमाइंड हैदराबाद का श्रीनिवास राव (49) है। वह 3-4 साल से रोजाना करोड़ों रुपयों की साइबर ठगी करता था, लेकिन पुलिस के रेडार पर नहीं आया है। पुलिस के मुताबिक वह हर दिन तीन से पांच करोड़ रुपए कमाता था। 12वीं तक पढ़े राव के 40 खातों में जमा 1.50 करोड़ रुपये पुलिस ने फ्रीज कर दिए हैं। आरोप है कि भारत में जुटाई गई साइबर फ्रॉड की रकम को राव चीन भेजता था। वहां वह चीनी बैंकों में यह पैसों जमा करता था और चीनी साइबर क्रिमिनल के संपर्क में भी था।

डीसीपी अजय कुमार बंसल के अनुसार, काफी दिनों से साइबर क्राइम से संबंधित शिकायतें मिल रही थीं कि पुलिस अधिकारी लोगों को कॉल कर उनके पार्सल में मादक पदार्थ होने की बात कहता है। इसलिए पार्सल को वेरिफाई करने लिए उन्हें किसी थाने में बुलाया जाता है। चूंकि, लोग पुलिस का नाम और उनका फोटो देखकर डर जाते थे। इसलिए वे सामने वाले को असली पुलिस समझकर उनकी बात पर भरोसा कर उन्हें केस से बचने के लिए पैसे दे देते थे। आरोपी लोगों को फंसाने के लिए स्काइप और वॉट्सऐप कॉल का इस्तेमाल करते थे।

महाराष्ट्र में पीने के पानी कि किल्लत

2 किमी चलकर कुएं से पानी लाने को मजबूर हो रहीं महिलाएं

नासिक : महाराष्ट्र के लोग पानी की किल्लत से जूझ रहे हैं। राज्य के कई क्षेत्रों में जल संकट गहराया हुआ है। जल संकट के बीच बोरधापाड़ा गांव के जनजातीय लोग कुएं से पानी लाने के लिए 2 किमी पैदल चलकर पानी ला रहे हैं।

2 किमी चलकर पानी लाने को मजबूर स्थानीय

एक महिला ने बताया, 'हमारे गांव में 2 कुंए हैं लेकिन वो सुख गए हैं इसलिए हमें पहाड़ी के नीचे से पानी लाना पड़ रहा है जो कि 2 किमी दूर है। हम 2 किमी पैदल चलकर पानी लाते हैं और इस दौरान कई महिलाओं को बहुत चोटें लग रही हैं। हमारी प्रशासन से मांग है कि हमें पानी की सुविधा जल्द से जल्द दें।' पर्याप्त पानी की सुविधा ने होने के वजह से लोगों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

रायगढ़ में भी पानी कि किल्लत

रायगढ़ जिले में भी पीने के पानी की भारी कमी है। हालात ये हैं कि स्थानीय प्रशासन को राहत के तहत पानी के टैंकर रायगढ़ भेजने पड़ रहे हैं। मौजूदा वक्त में रायगढ़ के विभिन्न बांधों में सिर्फ 35 प्रतिशत पानी ही बचा हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि कुल 35 गांवों और 113 बाड़ियों में जल संकट ज्यादा है और आने वाले दिनों में यह आंकड़ा कई गुना बढ़ सकता है।

नवी मुंबई में पानी की चोरी पर लगेगी लगाम

अवैध घरों को एनएमएमसी देगी नल कनेक्शन

नवी मुंबई : जिस तरह बिजली चोरी पर अंकुश लगाने के लिए महावितरण ने मांग के अनुरूप बिजली के कनेक्शन उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है, इसी तर्ज पर अब नवी मुंबई महानगरपालिका के कमिश्नर राजेश नार्वेकर ने पानी की चोरी की रोकने के लिए अवैध घरों को मांग के आधार पर नल कनेक्शन देने का फैसला किया है। यह 'अभय योजना' प्रारंभिक तौर पर एक वर्ष की अवधि के लिए पायलट प्रोजेक्ट के आधार पर लागू की गई है। एनएमएमसी कमिश्नर के इस निर्णय से नवी मुंबई में हो रही पानी की चोरी पर लगाम लगेगी, ऐसी संभावना व्यक्त की जा रही हैं।

गौरतलब है कि नवी मुंबई महानगरपालिका के मालिकाना वाले मोरबे जलाशय से एनएमएमसी द्वारा हर दिन 450 एमएलडी पानी की सप्लाई की जाती है, इसके बावजूद एनएमएमसी क्षेत्र के कुछ हिस्सों में लोग पानी की कमी महसूस कर रहे है। एनएमएमसी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध इमारतों और झोपड़पट्टियों में एनएमएमसी के जलापूर्ति विभाग द्वारा नल का कनेक्शन नहीं दिया गया है। जिसकी वजह उक्त इमारतों और झोपड़पट्टियों में रहने वाले लोग

एनएमएमसी की जल वाहिनी से अवैध तौर से नल कनेक्शन जोड़कर पानी की चोरी करते हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ एनएमएमसी के संबंधित विभाग द्वारा समय-समय पर कार्रवाई की जाती है, फिर भी उक्त सिलसिला जारी हैं। जिसे रोकने के लिए कमिश्नर नार्वेकर ने अब उक्त लोगों को मांग के आधार पर नल कनेक्शन मुहैया कराने का निर्णय लिया है।

अवैध नल कनेक्शन नहीं किया जाएगा नियमित

जिस तरह से अन्य महानगरपालिकाओं और नगरपालिकाओं द्वारा पुराने अनाधिकृत नल कनेक्शनों को नियमित (अधिकृत) किए बिना केवल उपयोग किए गए पानी पर ही शुल्क वसूला जाता है, उसी तरह नवी मुंबई महानगरपालिका भी अब अवैध नल कनेक्शन धारकों से प्रति माह पानी का शुल्क वसूल करेगी। इसके लिए एनएमएमसी के जलापूर्ति विभाग द्वारा शुल्क की राशि तय की गई है। इस योजना के तहत झोपड़ी, बैठी चाल और अवैध इमारत के घरों के लिए 100 रुपए प्रति माह वसूला जाएगा, जबकि उपहारगृह , बार, बेकरी, सर्विस सेंटर के लिए 2,830 रुपए, खुदरा दुकानों, लॉन्ड्री, मटन- मछली की दुकानों, चाय की दुकानों, फरसाण मार्ट, घरेलू उपयोग, सब्जियों सहित दुकानों के लिए 490 रुपए का शुल्क तय किया गया हैं। वहीं टेलीफोन बूथ, किराना स्टोर, क्लीनिक, वखार, गैरेज, सैलून से पानी के लिए 191 रुपए प्रति माह शुल्क लिया जाएगा।

डिवाइडर से टकराने के बाद ऑटो में लगी आग...

गाड़ी में सवार महिला की मौत, ड्राइवर भी झुलसा

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे शहर में बुधवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। दरअसल गायमुख इलाके घोड़बंदर रोड पर सुबह 5.45 बजे एक ऑटो रिक्शा सड़क डिवाइडर से टकरा गया था। ऑटो रिक्शा में महिला सवार थी। डिवाइडर से टकराने के बाद ऑटो में आग लग गई। जिससे ऑटो में सवार महिला की मौत हो गई। साथ ही दुर्घटना में ऑटो ड्राइवर भी गंभीर रूप से उसमें झुलस गया।

नियंत्रण खोने से डिवाइडर से टकराया ऑटो

ऑटो-रिक्शा ठाणे शहर से भायंदर की ओर जा रहा था, उसी दौरान ड्राइवर ने अचानक नियंत्रण खो दिया था। ठाणे नगर निगम के क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ (आरडीएमसी) के प्रमुख अविनाश सावंत ने पीटीआई को बताया कि वाहन इसके बाद सड़क के डिवाइडर से टकरा गया और उसमें आग लग गई।

मृतक महिला की नहीं हुई पहचान

अधिकारी ने कहा कि महिला के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है और पुलिस मृतक की पहचान करने की कोशिश कर रही है। कसारवडावली पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और अधिकारी ने कहा कि आगे घटना की जांच जारी है।

महिला यात्री की मौत, ड्राइवर भी झुलसा

ऑटो में सवार महिला अपनी जान न बचा सकी। वह वाहन के अंदर फंसी रह गई और उसमें ही जलकर मर गई। अधिकारी ने कहा कि ऑटो ड्राइवर की पहचान राजेश कुमार के रूप में हुई है। उसकी उम्र 45 वर्ष है। वह भी इस हादसे में गंभीर रूप से झुलस गया। अधिकारी ने बताया कि जैसे ही हमें सूचना मिली हमारी टीम तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना हो गई।

जलकर राख हुआ ऑटो

सूचना मिलने के बाद स्थानीय दमकलकर्मी और आरडीएमसी की टीम मौके पर पहुंची और आधे घंटे में आग पर काबू पा लिया। उन्होंने बताया कि ऑटो पूरी तरह से जलकर राख हो गया है। वहीं, ऑटो ड्राइवर को तुंरत अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसका इलाज चल रहा है। हालांकि उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। वहीं, मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला का शव बरामद कर लिया है।

टास्क टेलीग्राम ग्रुप में गेम खेलना पड़ा भारी...

न्यू पनवेल के निवासी ने गवाएं इतने लाख रुपए

नवी मुंबई : न्यू पनवेल में रहने वाले एक व्यक्ति को टास्क टेलीग्राम ग्रुप पर गेम खेलना पड़ा भारी। इस व्यक्ति ने उक्त ग्रुप के सदस्य की बातों में आकर अपने 10 लाख 50 हजार रुपए गंवा दिए। जिसके बाद इस व्यक्ति को गेम के नाम पर ठगी होने का आभास हुआ। जिसके बारे में उक्त व्यक्ति ने इसके बारे में खांदेश्वर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। जिसके आधार पर पुलिस का सायबर सेल उक्त मामले की छानबीन कर रहा है। खांदेश्वर पुलिस स्टेशन से मिली जानकारी के अनुसार, ठगी की उक्त घटना न्यू पनवेल के सेक्टर-11 में रहने वाले शांति भूषण उपाध्याय नामक व्यक्ति के साथ हुई। शांति भूषण के मोबाइल पर मैसेज

आया कि अगर आप एक यू-ट्यूब लिंक भेजते हैं और उस पर एक वीडियो पसंद करते हैं, तो आपको प्रत्येक पसंद के लिए 50 रुपए मिलते हैं और यदि आप वीडियो पसंद करते हैं और एक स्क्रीनशॉट भेजते हैं, तो यह राशि दी जाती है। जिसकी बातों में आकर उपाध्याय ने उक्त व्यक्ति से अपनी व्यक्तिगत जानकारी के साथ-साथ बैंक खाते की जानकारी भी साझा की थी। पुलिस के मुताबिक, वीडियो पसंद करने पर शुरूआत में ठग ने उपाध्याय के गूगल-पे अकाउंट में 300 रुपए भेजे, जिसके मिलने के बाद उपाध्याय के मन में रुपए कमाने की लालच बढ़ गई और उन्होंने टास्क टेलीग्राम ग्रुप पर एक गेम खेलना शुरू किया। इसमें उन्हें तीन टास्क दिए गए और 3 लिंक बनाए गए। टास्क पूरा होने के बाद उनके बैंक खाते में 150 रुपए जमा किए गए। इस तरह ठग ने उनके खाते में थोड़ी-थोड़ी रकम भेजकर उपाध्याय का विश्वास जीत लिया। इसके बाद ठग ने उपाध्याय को अगले टास्क के लिए 10 लाख 52 हजार रुपए देने को कहा, जिसके बाद उपाध्याय ने उक्त राशि भेज दी। जो उन्हें वापस नहीं मिली।

कल्याण में दोस्त ने किया दोस्त पर कोयता से हमला, अस्पताल में भर्ती, जानें क्या है पूरा मामला..

कल्याण : पहले की रंजिश को लेकर एक युवक ने कोयते से हमला कर अपने ही दोस्त को बुरी तरह जख्मी किए जाने का मामला सामने आया हैं। कल्याण के कोलसेबाड़ी पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर एक 18 वर्षीय युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया और आगे की जांच की जा रही हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, कल्याण पूर्व मंगल राधौ नगर स्थित साईंबाबा मंदिर के पास रहने वाले राहुल लक्ष्मण भुवड (32) ने कोलसेबाड़ी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाते हुए पुलिस को बताया कि रविवार की शाम करीब

5 बजे वह कल्याण पूर्व लोकग्राम क्षेत्र के मैदान से होकर जा रहा था।

पहले थी रंजिश

जब वह नाले के पुल पर पहुंचा तो वहां पहले से ही खड़ा कल्याण पूर्व के मंगल राधौ नगर निवासी संतोष (18) ने पहले की रंजिश के चलते अचानक कोयता निकालकर उस पर हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हमला कर के आरोपी फरार हो गया। वहां आसपास के लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर पहले राहुल को अस्पताल में पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। राहुल की शिकायत पर कोलसेबाड़ी पुलिस ने आईपीसी की धारा 326 के तहत संतोष के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया हैं और आगे जांच पुलिस उप निरीक्षक डी. एन. पाटिल कर रहे हैं।

महाराष्ट्र क्राईम्स
मुंबई, 05 मई, 2023

पालघर में हत्या कर शव को जंगल मे फेंककर 14 साल से फरार चल रहा आरोपी गिरफ्तार

पालघर : हत्या के मामले में 14 साल से वांछित मुख्य आरोपी को माणिकपूर पुलिस स्टेशन की क्राइम डिटेक्शन की टीम ने गिरफ्तार कर लिया गया है।यह कार्रवाई परिमंडल 2 डीसीपी पौर्णिमा चौगुले-श्रींगी व एसीपी पद्मजा बडे के मार्गदर्शन में माणिकपुर थाने के सीनियर पी.आई संपतराव पाटील, पी.आई (क्राइम) अभिजीत मडके के नेतृत्व में क्राइम डिटेक्शन के स.पो.नि.सचिन सानप की टीम ने की है।यह जानकारी पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को दी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि 15 सितंबर 2010 को 09.45 बजे के पूर्व अज्ञात आरोपी ने अज्ञात कारणवश अज्ञात शख्स की गला दबाकर हत्या कर दी,उसके दोनों हाथ बांध दिए गए थे और सबूत मिटाने

की नीयत से शव को फेंक दिया गया था,इस मामले में शिकायतकर्ता सुनिल सोपान पालवे की शिकायत पर माणिकपुर थाने में अज्ञात आरोपी के ऊपर 302,201,34 के तहत केस दर्ज किया गया था।उक्त अपराध की विवेचना के दौरान मृतक शख्स का नाम पांधारी शामु राजभर (25),निवासी-ताई पाटील चाल,खैरपाडा,वालीव, वसई पुर्व के रूप में हुआ।पुलिस ने बताया कि वरिष्ठजनों द्वारा थाने में दर्ज अपराध रिकार्ड पर वांछित एवं फरार आरोपितों की तलाश के लिए विशेष तलाशी अभियान चलाकर इनके ठिकाने की जानकारी प्राप्त कर अपराध में इनकी गिरफ्तारी के निर्देश एवं मार्गदर्शन दिया गया.उपरोक्त निर्देश एवं दिशा-निर्देश के अनुसार मानिकपुर थाना क्राइम डिटेक्शन टीम के अधिकारी एवं गुप्त मुखबिरों से प्राप्त सूचना के आधार पर उपरोक्त अपराधों में मानिकपुर थाना के अभिलेखों पर वांछित आरोपी संजय गामा भारद्वाज (39),निवासी-जे.बी.नगर,चकाला,अंधेरी पुर्व, मुंबई से हिरासत में लिया,पुलिस ने आगे की पड़ताल की,उस समय मृतक शख्स इस बात से नाराज था कि उक्त आरोपी को 5000 रुपये एडवांस नहीं दिया गया था।आरोपी ने मृत शख्स को अपने साथियों के साथ कार में डाल दिया और रुमाल से गला दबा कर हत्या कर दी,उसी रुमाल से शव के हाथ पीठ के पीछे बांधकर मौजे ससुनवघर गांव की सीमा में बकरी मंडी,बाजूस के सामने,मुंबई अहमदाबाद महामार्ग के पास मिट्टी के ढेर के पास फेंक दिए गए, पता चला है कि वह पिछले 14 सालों से बनारस, उत्तर प्रदेश और अंधेरी, मुंबई में अपना स्थान बदल रहा है।

रियायतों को बंद करके रेलवे ने की मोटी कमाई...

मुंबई : कोविड काल में वैश्विक महामारी कोरोना के कारण भले ही दुनियाभर की अर्थ-व्यवस्थाओं एवं इंसानों की कमर टूट गई होगी लेकिन रेलवे के लिए कोरोना काल वरदान साबित हुआ है। कहने को तो कोरोना काल में पाबंदियों के कारण रेलवे को कुछ समय के लिए यात्री भाड़े में नुकसान उठाना पड़ा था लेकिन उसी दौरान माल ढुलाई व यात्रियों को दी जानेवाली तमाम रियायतों को बंद करके रेलवे ने मोटी कमाई भी की। यहां तक कि कोरोना काल खत्म होने के बाद भी रेलवे यात्रियों की रियायतें रोककर अपनी तिजोरी भर रहा है। मात्र वर्ष २०२२-२३ में बुजुर्गों को रेल किराए में छूट न देकर रेलवे ने २,२४२ करोड़ रुपए की कमाई की है जबकि २०२० से २०२३ के बीच के पूरे कोरोना काल का हिसाब लगाया जाए तो यह आंकड़ा ५ हजार करोड़ के पार जा सकता है। एक आरटीआई के जरिए जुटाई गई जानकारी के मुताबिक, रेलवे ने बुजुर्गों को रेल किराए में दी जाने वाली छूट को बंद करने के बाद २०२२-२३ में २,२४२ रुपए करोड़ का अतिरिक्त राजस्व अर्जित किया। बकौल आरटीआई, १ अप्रैल २०२२ से ३१ मार्च २०२३ के बीच रेलवे ने करीब ८ करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को रेल किराए पर कोई छूट नहीं दी। अर्थात रेलवे ने बुजुर्गों के २२४२ करोड़ हड़प लिए। रेलवे ने बताया कि नेशनल ट्रांसपोर्टर ने २० मार्च, २०२० से ३१ मार्च, २०२२ के बीच १,५०० करोड़ रुपए से अधिक कमा लिया था।

भोजनालय का लाइसेंस रखने वाले रेस्तरां हुक्का नहीं परोस सकते : हाईकोर्ट

मुंबई : बंबई उच्च न्यायालय ने हर्बल हुक्का परोसने के लिए लाइसेंस रद्द किये जाने की कार्रवाई का सामना कर रहे एक उपनगरीय रेस्तरां को राहत देने से इनकार करते हुए कहा कि भोजनालय के लाइसेंस में हुक्का या हर्बल हुक्का परोसने की अनुमति स्वतः शामिल नहीं है। न्यायमूर्ति जी. एस. कुलकर्णी और न्यायमूर्ति आर. एन. लड्ढा की खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा कि हुक्का उस रेस्तरां में परोसी जाने वाली वस्तुओं में शामिल नहीं किया जा सकता,जहां बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग जलपान या भोजन के लिए जाते हैं। अदालत ने कहा, ''जहां तक भोजनालय का संबंध है, तो यह (हुक्का परोसना) पूरी तरह से परेशानी का सबब होगा। यदि ऐसा (हुक्के की अनुमति) संभव हो जाता है, तो भोजनालय में ऐसे ग्राहकों पर इसके प्रभाव की कल्पना की जा सकती है।'

पीठ सायली पारखी की ओर से दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) द्वारा पारित 18 अप्रैल, 2023 के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें कहा गया था कि अगर हुक्का/हर्बल हुक्का परोसने का सिलसिला जारी रहता है तो उसके रेस्तरां 'द ऑरेंज मिंट' को दिया गया भोजनालय का लाइसेंस निरस्त कर दिया जाएगा। नगरीय निकाय का दावा था कि रेस्तरां हर्बल हुक्का गतिविधि के लिए लौ या जले हुए चारकोल का उपयोग कर रहा था, जो सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में और ग्राहकों की जान जोखिम में डाल रहा था। अदालत ने बीएमसी के आदेश पर रोक लगाने से इनकार करते हुए कहा कि रेस्तरां को हुक्का गतिविधियां संचालित करने से रोकने का आदेश बिल्कुल सही है। अदालत ने कहा, ''एक बार जब यह स्पष्ट हो जाता है कि हुक्का गतिविधियां भोजनालय लाइसेंस की शर्तों का हिस्सा नहीं हैं, तो ऐसी गतिविधि की अनुमति नहीं दी जा सकती है।'

बाबरी ढांचा को लेकर उद्धव ठाकरे के वॉर पर फडणवीस का पलटवार

...उसके बाद हिंदुत्व की बात करें- देवेंद्र फडणवीस

मुंबई : अयोध्या स्थित बाबरी ढांचा गिराए जाने पर भाजपा पर हमला बोलने वाले पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पलटवार किया। मंगलवार को मीडिया से बातचीत में फडणवीस ने कहा कि बार -बार ढांचा गिराने की बात करने वाले उद्धव ठाकरे से मैं पूछना चाहता हूँ कि जब ढांचा गिराया जा रहा था तब वे कहां थे. जबकि भाजपा का

एक कार्यकर्ता के रूप में मैं वहां मौजूद था.लेकिन उद्धव ठाकरे कहां थे यह स्पष्ट करें? उसके बाद ही हिंदुत्व की बात करें। पीएम मोदी पर जनता का भरोसा है। कांग्रेस प्रवक्ता या नेता जितना भी पीएम मोदी के खिलाफ बोलेंगे, उतना पराजित होंगे। अगले चुनाव में भाजपा बड़े सीटों से जीत हासिल करेगी। फडणवीस ने कहा कि जो व्यक्ति ढांचा गिराने के वक्त वहा मौजूद नहीं था उसे हिंदुत्व या बाबरी ढांचा पर सवाल उठाने का कोई अधिकार नहीं है. मैं खुद कार्यकर्ता के रूप में वहां था, लेकिन उद्धव ठाकरे ये बताएं कि वो कहां थे?

क्या सुप्रिया सुले संभालेंगी NCP की कमान?

बड़े रोल की कर रही तैयारी

मुंबईः एनसीपी चीफ शरद पवार के इस्तीफे की घोषणा के साथ ही महाराष्ट्र की राजनीति गर्म हो गई है. बड़ी चर्चा इस बात की है उनका उत्तराधिकारी कौन होगा. माना तो यह जा रहा है कि शरद पवार अपनी राजनीतिक विरासत अपनी बेटी सुप्रिया सुले को सौंप सकते हैं. बारामती से तीन बार की सांसद सुप्रिया को लेकर माना जा रहा है कि वह राष्ट्रीय राजनीति में बड़ी भूमिक निभाने को तैयार भी हैं. पवार की घोषणा के साथ ही सुप्रिया सुले पार्टी में काफी सक्रिय भी हो गई हैं. वहीं

कहा जा रहा है कि उनके चचेरे भाई अजीत पवार धीरे धीरे हासिए पर आ गए हैं. हालांकि सुप्रिया सुले ने फिलहाल पार्टी चीफ शरद पवार से अपने फैसले पर पुर्नविचार का आग्रह किया है. बावजूद इसके राजनीतिक हलके में कयासबाजी तेज हो गई है. इसकी वजह भी है. दरअसल बीते कुछ वर्षों में जिस प्रकार शरद पवार के वरदहस्त तले सुप्रिया सुले का उत्थान हुआ है और पार्टी में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालने लगी हैं.

माना जा रहा है कि यह सारी कवायद पहले से ही उनकी ताजपोशी के लिए हो रही थी. पार्टी की ओर से लगातार वह शिंदे सरकार पर हमलावर थी और केंद्र सरकार को भी जवाब दे रही थीं. खुद पवार ने भी दो साल पहले एक मराठी अखबार को दिए इंटरव्यू में स्वीकार किया था कि सुप्रिया सुले अब पार्टी में बड़ी भूमिका के लिए तैयार हैं. सर्वश्रेष्ठ सांसद का खिताब हासिल कर चुकीं सुप्रिया की रुचि राष्ट्रीय राजनीति और पार्टी के काम में हैं. उधर, मौजूदा स्थिति को देखते हुए पार्टी नेताओं ने भी इच्छा जताई है कि अजित पवार से किसी तरह का विवाद पैदा होने से पहले शरद पवार को अब जिम्मेदारी तय कर देनी चाहिए.पार्टी नेताओं के मुताबिक एनसीपी चीफ ने तीन युवा नेताओं को आगे बढ़ाया था. इनमें बेटी सुप्रिया सुले, भतीजे अजित पवार और एनसीपी के प्रदेशाध्यक्ष जयंत पाटिल शामिल हैं. लेकिन इस समय दुविधा की स्थिति में इन सभी में किस के सिर पर पार्टी का ताज सजेगा.

हेल्थ कॉर्नर

बदलते मौसम में सेहत का खयाल जरूरी

बदलते मौसम में सेहत का ध्यान रखना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। दरअसल, मौसम में उतार-चढ़ाव होता है जिसमें शरीर खुद को ढाल नहीं पाता और लोग बीमार पड़ते हैं। लेकिन बदलते मौसम में आप इन तरीकों से बीमारियों को दूर रख सकते हैं।

– बीमारियों से बचने के लिए हमेशा साफ-सुथरा रहें। खाना खाने से पहले और बाद में हाथ जरूर धोएं। साथ ही छींकते समय मुंह पर रुमाल और बाहर निकलते समय चेहरे पर कपड़ा बांधना ना भूलें। इससे कीटाणुओं से आपका बचाव होता है।

– बदलते मौसम में सबसे ज्यादा लोग बीमार पड़ते हैं। इसके लिए आपने खाने में विटामिन सी की मात्रा बढ़ाएं। विटामिन सी रोग प्रतिरोधक क्षमता में इजाफा करता है जिससे छोटी-मोटी बीमारियां दूर रहती हैं। संतरे, अनानास, ब्रोकोली, अंगूर ,कीवी विटामिन सी के अच्छे स्त्रोत हैं।

– बदलते मौसम में गले में खराश होना आम बात है। इसके लिए स्टीम लेना कारगार होता है।

– गर्मियों के समय जितना हो सके तरल पदार्थों का सेवन करें। खूब पानी और ताजा फलों का जूस जरूर पिएं।

कसरत के बाद नहीं पहले करें इनका सेवन

अगर अच्छी बॉडी चाहते हैं तो कसरत के बाद ही नहीं बल्कि उससे पहले भी आप कुछ सुपर फूड्स खा सकते हैं। इससे आप फिट बने रहेंगे और कसरत करते समय जल्दी थकेंगे नहीं। आइए जानते हैं कि जिम जाने से पहले आप किन-किन चीजों का सेवन किया जा सकता है।

केले : केले पचाने में आसान होते हैं, साथ ही इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्वों से शरीर को ऊर्जा मिलती है। अगर सुबह कसरत करने जाते हैं तो एक केले को आधा कप दही के साथ खाएं और इसके आधे घंटे बाद जिम जाएं।

ओट्स : जिम जाने से आधा घंटा पहले ओट्स का सेवन कर सकते हैं। इसमें विटामिन सी होता है जो काबोर्हाइड्रेट को एनर्जी में बदलता है। इससे रक्त संचार अच्छे से होता है और आप तरोताजा महसूस करते हैं।

फल और दही : फलों में काबोर्हाइड्रेट और दही में प्रोटीन उच्च मात्रा में होता है। इसलिए कसरत से पहले इनका सेवन फायदेमंद है।

होलग्रेन (अनाज वाली) ब्रेड : जिम जाने से लगभग 45 मिनट पहले इसका सेवन करना चाहिए। आप इस ब्रेड पर शहद या जैम लगाकर खा सकते हैं। इसके साथ उबले अंडों का सेवन भी लाभकारी होता है।

जीवन मंत्र

सुबह पर अपना कब्जा करें और सफल बनें

जहां कम सफल लोग सोते है वही सफल लोग रोज अपने नये-नये इरादों के साथ आगे बढते चले जाते है. जब दुसरे लोग विदेशो में घूम रहे होते है तब ऐसे लोग दिन-रात काम करते है. जब आप सुबह के समय अपने द्वारा लिए गए निर्णय को कुछ समय बाद झपकी का अलार्म दबाते हो, तो आपके लिये सफल बनना और भी मुश्किल होता जायेंगा.

सुबह के समय जल्दी उठकर पुरी सुबह को ही अपने कब्जे में कर ले, ताकि आप अच्छे से अच्छा काम कर सको. एक स्वस्थ नाश्ते की तरह अपने शरीर को बनाये और एक अच्छी किताब की तरह अपने मस्तिष्क को बनाये. जब दुनिया में बाकी लोग पलंग पर आराम कर रहे होते है तभी आपको अपने ये सारे काम कर लेने चाहिये. और सुबह को अपने कब्जे में कर लेना चाहिये.

अपने दिन की शुरूवात एक स्पष्ट उद्देश के साथ शुरू करने से आप आसानी से अपने लक्ष्य को हासिल कर सकते हो. जैसा की हमने पहले भी कहा है की सफल इंसान 'सिर्फ इसलिये' कोई भी काम नही करते. सफल इंसान अपना हर एक काम किसी न किसी उद्देश के साथ ही करता है. कोई भी काम आप क्यों कर रहे हो? इस बात को जानना, आपमें आपके लक्ष्य को पाने की अपार उर्जा निर्माण करता है.

बहोत से लोग इस बात से नफरत करते है की वे जो कुछ भी कर रहे है उसके प्रतिउत्तर में लोग उन्हें गलत बोले और कुछ नया करने की सलाह दे. दुसरे के सलाह को स्वीकार करना कोई आसान काम नही है, लेकिन यदि आप ये निर्णय ले लेते होते की आप उनके सलाह को सुनोंगे और अपने कार्य में सुधार की कोशिश करोंगे, तो आपका प्रदर्शन और भी ज्यादा अच्छा होने लगेंगा.

हम यहाँ ये नही कह रे है की सभी के सलाह को सुने और उन्ही के अनुसार आगे बढ़ते रहे. बल्कि हमारा मतलब है की, आप अपने जीवन में कुछ अच्छे और सफल इंसानों का चुनाव करे. जिनके बारे में आप सब कुछ जानते हो, या जो आपको दिल से चाहते हो या जिनको आपने रूचि है. और उन्ही के सलाह को सुनकर, उनके द्वारा बताये गये उपायों पर चलने की कोशिश करे.

सच

शराब पीकर कभी न बनवाएं टैटू, पहली बार बनवाते समय इन बातों का रखें ध्यान

वो दिन गए जब केवल रॉकस्टार्स और बाइकर्स टैटू बनवाते थे। अब तो टैटू सामान्य से सामान्य इंसान के भी सिर चढ़कर बोल रहा है। अगर आपके मन में भी टैटू बनवाने का आइडिया आया है तो मन मसोसकर ही न रह जाएं बल्कि बनवा ही डालिए टैटू लेकिन जरा इन बातों का खास ध्यान भी रखें-

टैटू बनवाने का सबसे बड़ा रूल तो यही है कि सस्ते के चक्कर में न पड़ें क्योंकि सस्ता टैटू आपके लिए महंगा साबित हो सकता है। अगर आपने टैटू बनवाने का मन बना ही लिया है तो सस्ते और अनहाइजिनिक जगह पर भूलकर भी न जाएं।

इस बात का ध्यान रखें कि टैटू बनाने के लिए नई सुईयों का इस्तेमाल हो क्योंकि पुरानी सुईयों से कई गंभीर रोगों के होने का खतरा बढ़ जाता है। इससे टीटनेस, हेपेटाइटिस बी और सी जैसी बीमारियां तो हो ही सकती हैं इसके अलावा इससे एड्स जैसा गंभीर रोग भी हो सकता है। इसके अलावा टैटू कलर भी अच्छी क्वालिटी का होना चाहिए।

टैटू करवाने से पहले शराब पीकर न जाएं। शराब आपके खून को पतला कर देता है जिससे टैटू करवाने के दौरान ब्लीडिंग जैसी समस्याएं हो सकता हैं।

इससे त्वचा पर घाव जैसी समस्याएं भी देखने को मिलती हैं। टैटू करवाने के बाद त्वचा की उचित देखभाल की भी जरुरत होती है। टैटू गोदने वाले केमिकल में अल्कोहल से रिएक्शन करने वाले तत्व मिले होते हैं जो ब्लड में हानि पहूंचा सकते हैं और बिमारी पैदा कर सकते हैं।

महाराष्ट्र क्राईम्स
मुंबई, 05 मई, 2023

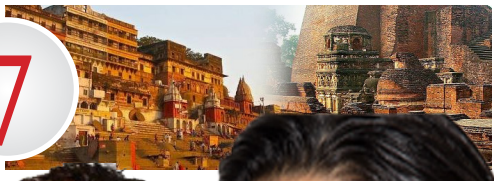

मेट गाला से हुई थी प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस की लव स्टोरी की शुरूआत, कपल ने खोला राज

मेट गाला इवेंट 2023 का आगाज हो चुका है. इस खास इवेंट में सेलिब्रिटी अपनी स्पेशल आउटफिट्स में पहुंचे. हर बार की तरह इस बार भी प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस साथ में इस इवेंट में शामिल हुए. दोनों एक-दूसरे के हाथों में हाथ डाले कपल गोल्स सेट कर रहे थे. इस दौरान निक ने प्रियंका के साथ अपनी लव स्टोरी का खास किस्सा भी शेयर किया. उन्होंने बताया कि कैसे 7 साल पहले इसी इवेंट में उनकी प्रियंका से मुलाकात हुई थी और देखते ही देखते वो पहली मुलाकात प्यार में बदल गई.

ब्लैक आउटफिट में पहुंचे प्रियंका और निक

इस खास इवेंट के लिए प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस ने ब्लैक आउटफिट चुनी थी. दोनों कपल इस आउटफिट में खासे जंच रहे थे. इस दौरान एक प्रेस मीट में निक जोनस ने बताया कि कैसे इस इवेंट के जरिए वो अपनी लाइफ पार्टनर से मिले.

7 साल पहले इसी इवेंट में हुई थी मुलाकात

वोग मैगजीन को दिए इंटरव्यू में प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस ने बताया कि 2017 में हुआ मेट गाला इवेंट उनके लिए कितना खास और कैसे ये इवेंट उनके दिल के बहुत करीब है. निक ने बताया, 'ये इवेंट हमारे लिए हमारी प्रेम कहानी की शुरूआत जैसा था. छह सात-साल पहले और अब हम यहां हैं.'

रेड कार्पेट पर निक ने की थी प्रियंका की मदद

निक के अपनी लव स्टोरी की शुरूआत बताने के बाद प्रियंका ने कहा, 'हम दोनों पहली बार रेड कार्पेट पर मिले थे. मैं ऊपर जा रही थी और मेरी ड्रेस फंस गई थी. उस समय निक ने सीढ़ियों पर मेरी ड्रेस उठाकर मदद की थी.' इस तरह इस कपल की लव स्टोरी मेट गाला से शुरूआत हुई और अब प्रियंका और निक इंडस्ट्री के मोस्ट लवेबल कपल्स में से एक हैं.

कियारा आडवाणी के लिए केयरिंग हसबैंड बने सिद्धार्थ, फैंस का लूटा दिल

हाल ही में शादी के बंधन में बंधे कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा बॉलीवुड में नए कपल्स गोल्स सेट कर रहे हैं. जब भी ये कपल एक-दूसरे के साथ होता है तो इनका प्यार देखते ही बनता है. अब हाल ही में कियारा को मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया. जहां पहुंचे सिद्धार्थ मल्होत्रा ने कुछ ऐसा कर दिया कि हर कोई उनका फैन बन गया.

कियारा आडवाणी हाल ही में मुंबई लौटी हैं. इस दौरान वो व्हाइट ट्रैक सूट में एयरपोर्ट पर नो मेकअप लुक में दिखाई दीं. उनके आसपास कई कैमरा मैन थे जो उनकी पिक्चर्स क्लिक कर रहे थे. कियारा अपने पिकअप का वेट कर रही थीं.

सिद्धार्थ मल्होत्रा कियारा के लिए केयरिंग हसबैंड बने और उन्हें लेने के लिए एयरपोर्ट पहुंचे. जहां उन्हें देख कियारा काफी खुश हो गईं. सिद्धार्थ इस दौरान कार से तो नहीं उतरे, लेकिन कार के फ्रंट से स्पॉट हो गए.

कियारा आडवाणी इस दौरान पति सिद्धार्थ को कार की बैक सीट पर देखकर काफी खुश हो गईं और उन्हें हग कर लिया. दोनों का ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर खासा वायरल हो रहा है.

विदआउट मेकअप लुक में दिखीं कियारा

इस दौरान कियारा आडवाणी विदाउट लुक में नजर आईं. उन्होंने व्हाइट ट्रैक सूट पहना था और बाल खुले रखे थे. कियारा से पैपराजी ने सवाल किए तो उन्होंने किसी का जवाब नहीं दिया और कार में बैठ गईं.

कुछ समय पहले ही शादी के बंधन में बंधा कपल

कियारा और सिद्धार्थ इसी साल फरवरी में शादी के बंधन में बंधे हैं. 7 फरवरी को दोनों ने एक-दूसरे के साथ जन्मों तक साथ रहने का वादा किया था. दोनों ने फैंस के साथ पिक्चर शेयर कर सभी को ये खुशखबरी दी थी.

'द केरल स्टोरी' को लेकर थरूर और विवेक अग्निहोत्री आमने सामने, निर्देशक ने नेता पर कसा तंज

सुदीप्तो सेन की फिल्म द केरल स्टोरी पर इन दिनों जमकर विवाद गरमाया हुआ है। फिल्म में 32 हजार लड़कियों की कहानी दिखाई गई है जिनको लव जिहाद के चंगुल में फंसाने के बाद उनका धर्म परिवर्तन कर मुस्लिम बना दिया गया। इस पर शशि थरूर ने सवाल उठाया था। फिल्म को लेकर इस कदर घमासान मचा हुआ है कि मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंच गया। अब शशि थरूर के बयान पर द कश्मीर फाइल्स के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने पलटवार किया है।

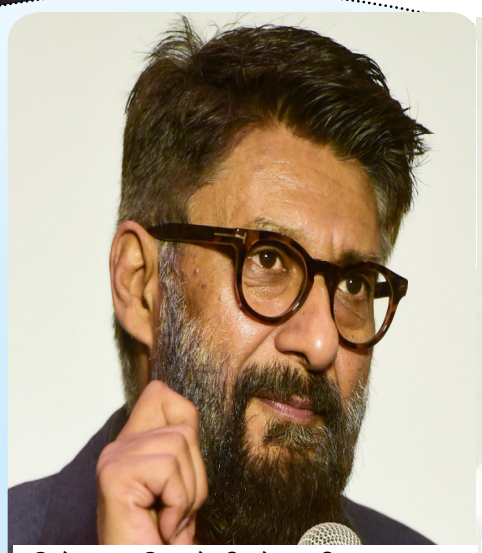

विवेक अग्निहोत्री ने कही यह बात

फिल्म द केरल स्टोरी को लेकर कांग्रस नेता शशि थरूर और विवेक अग्निहोत्री आमने सामने आ गए हैं। दरअसल शशि थरूर ने इस फिल्म की कहानी को झूठ बताया था। इसपर विवेक अग्निहोत्री ने कहा, 'अगर आप एक फिल्म पर बिना इसे देखे हमला करते हैं, तो आप ना ही एक ईमानदार और निष्पक्ष व्यक्ति हैं और न तो लोकतांत्रिक और स्वतंत्र बात करने वाले व्यक्ति हैं।'

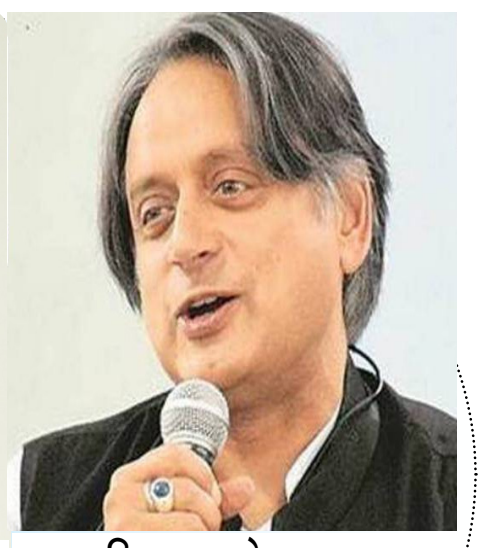

शशि थरूर ने क्या कहा

दरअसल बीते दिनों द केरल स्टोरी की कहानी को सही साबित करने वाले को एक करोड़ देने की बात कही गई है। शशि थरूर ने उस ट्वीट को रिट्वीट करते हुए लिखा था, 'यह उन सभी लोगों के लिए एक अच्छा मौका है, जो केरल की 32 हजार महिलाओं के इस्लामीकरण की बात को सही ठहरा रहे हैं। बात को साबित करिए और पैसे कमाइए। क्या इस चैलेंज कोई लेगा या फिर सीधी बात है कि कोई सबूत नहीं है, क्योंकि ऐसा कुछ कभी हुआ ही नहीं। यह हमारे केरल की कहानी नहीं है।'

नवी मुंबई में पानी की चोरी पर लगेगी लगाम

अवैध घरों को एनएमएमसी देगी नल कनेक्शन

नवी मुंबई : जिस तरह बिजली चोरी पर अंकुश लगाने के लिए महावितरण ने मांग के अनुरूप बिजली के कनेक्शन उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है, इसी तर्ज पर अब नवी मुंबई महानगरपालिका के कमिश्नर राजेश नार्वेकर ने पानी की चोरी की रोकने के लिए अवैध घरों को मांग के आधार पर नल कनेक्शन देने का फैसला किया है। यह 'अभय योजना' प्रारंभिक तौर पर एक वर्ष की अवधि के लिए पायलट प्रोजेक्ट के आधार पर लागू की गई है। एनएमएमसी कमिश्नर के इस निर्णय से नवी मुंबई में हो रही पानी की चोरी पर लगाम लगेगी, ऐसी संभावना व्यक्त की जा रही हैं।

गौरतलब है कि नवी मुंबई महानगरपालिका के मालिकाना वाले मोरबे जलाशय से एनएमएमसी द्वारा हर दिन 450 एमएलडी पानी की सप्लाई की जाती है, इसके बावजूद एनएमएमसी क्षेत्र के कुछ हिस्सों में लोग पानी की कमी महसूस कर रहे है। एनएमएमसी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध इमारतों और झोपड़पट्टियों में एनएमएमसी के जलापूर्ति विभाग द्वारा नल का कनेक्शन नहीं दिया गया है। जिसकी वजह उक्त इमारतों और झोपड़पट्टियों में रहने वाले लोग

एनएमएमसी की जल वाहिनी से अवैध तौर से नल कनेक्शन जोड़कर पानी की चोरी करते हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ एनएमएमसी के संबंधित विभाग द्वारा समय-समय पर कार्रवाई की जाती है, फिर भी उक्त सिलसिला जारी हैं। जिसे रोकने के लिए कमिश्नर नार्वेकर ने अब उक्त लोगों को मांग के आधार पर नल कनेक्शन मुहैया कराने का निर्णय लिया है।

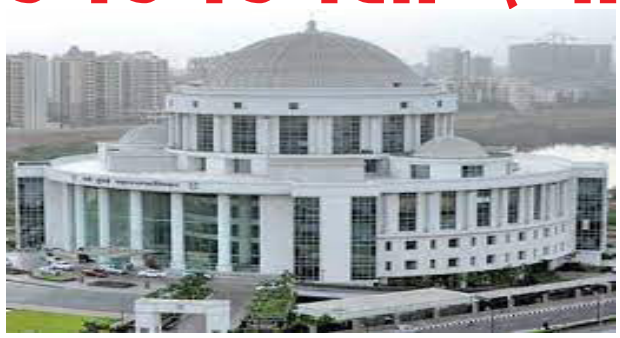

अवैध नल कनेक्शन नहीं किया जाएगा नियमित

जिस तरह से अन्य महानगरपालिकाओं और नगरपालिकाओं द्वारा पुराने अनाधिकृत नल कनेक्शनों को नियमित (अधिकृत) किए बिना केवल उपयोग किए गए पानी पर ही शुल्क वसूला जाता है, उसी तरह नवी मुंबई महानगरपालिका भी अब अवैध नल कनेक्शन धारकों से प्रति माह पानी का शुल्क वसूल करेगी। इसके लिए एनएमएमसी के जलापूर्ति विभाग द्वारा शुल्क की राशि तय की गई है। इस योजना के तहत झोपड़ी, बैठी चाल और अवैध इमारत के घरों के लिए 100 रुपए प्रति माह वसूला जाएगा, जबकि उपहारगृह, बार, बेकरी, सर्विस सेंटर के लिए 2,830 रुपए, खुदरा दुकानों, लॉन्ड्री, मटन- मछली की दुकानों, चाय की दुकानों, फरसाण मार्ट, घरेलू उपयोग, सब्जियों सहित दुकानों के लिए 490 रुपए का शुल्क तय किया गया हैं। वहीं टेलीफोन बूथ, किराना स्टोर, क्लीनिक, वखार, गैरेज, सैलून से पानी के लिए 191 रुपए प्रति माह शुल्क लिया जाएगा।

डिवाइडर से टकराने के बाद ऑटो में लगी आग...

गाड़ी में सवार महिला की मौत, ड्राइवर भी झुलसा

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे शहर में बुधवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। दरअसल गायमुख इलाके घोड़बंदर रोड पर सुबह 5.45 बजे एक ऑटो रिक्शा सड़क डिवाइडर से टकरा गया था। ऑटो रिक्शा में महिला सवार थी। डिवाइडर से टकराने के बाद ऑटो में आग लग गई। जिससे ऑटो में सवार महिला की मौत हो गई। साथ ही दुर्घटना में ऑटो ड्राइवर भी गंभीर रूप से उसमें झुलस गया।

नियंत्रण खोने से डिवाइडर से टकराया ऑटो

ऑटो-रिक्शा ठाणे शहर से भायंदर की ओर जा रहा था, उसी दौरान ड्राइवर ने अचानक नियंत्रण खो दिया था। ठाणे नगर निगम के क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ (आरडीएमसी) के प्रमुख अविनाश सावंत ने पीटीआई को बताया कि वाहन इसके बाद सड़क के डिवाइडर से टकरा गया और उसमें आग लग गई।

मृतक महिला की नहीं हुई पहचान

अधिकारी ने कहा कि महिला के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है और पुलिस मृतक की पहचान करने की कोशिश कर रही है। कसारवडावली पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है

महिला यात्री की मौत, ड्राइवर भी झुलसा

ऑटो में सवार महिला अपनी जान न बचा सकी। वह वाहन के अंदर फंसी रह गई और उसमें ही जलकर मर गई। अधिकारी ने कहा कि ऑटो ड्राइवर की पहचान राजेश कुमार के रूप में हुई है। उसकी उम्र 45 वर्ष है। वह भी इस हादसे में गंभीर रूप से झुलस गया। अधिकारी ने बताया कि जैसे ही हमें सूचना मिली हमारी टीम तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना हो गई।

जलकर राख हुआ ऑटो

सूचना मिलने के बाद स्थानीय दमकलकर्मी और आरडीएमसी की टीम मौके पर पहुंची और आधे घंटे में आग पर काबू पा लिया। उन्होंने बताया कि ऑटो पूरी तरह से जलकर राख हो गया है। वहीं, ऑटो ड्राइवर को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसका इलाज चल रहा है। हालांकि उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। वहीं, मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला का शव बरामद कर लिया है।

टास्क टेलीग्राम ग्रुप में गेम खेलना पड़ा भारी...

न्यू पनवेल के निवासी ने गवाएं इतने लाख रुपए

नवी मुंबई : न्यू पनवेल में रहने वाले एक व्यक्ति को टास्क टेलीग्राम ग्रुप पर गेम खेलना पड़ा भारी। इस व्यक्ति ने उक्त ग्रुप के सदस्य की बातों में आकर अपने 10 लाख 50 हजार रुपए गंवा दिए। जिसके बाद इस व्यक्ति को गेम के नाम पर ठगी होने का आभास हुआ। जिसके बारे में उक्त व्यक्ति ने इसके बारे में खादेश्वर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। जिसके आधार पर पुलिस का सायबर सेल उक्त मामले की छानबीन कर रहा है। खादेश्वर पुलिस स्टेशन से मिली जानकारी के अनुसार, ठगी की उक्त घटना न्यू पनवेल के सेक्टर-11 में रहने वाले शांति भूषण उपाध्याय नामक व्यक्ति के साथ हुई। शांति भूषण के मोबाइल पर मैसेज

आया कि अगर आप एक यू-ट्यूब लिंक भेजते हैं और उस पर एक वीडियो पसंद करते हैं, तो आपको प्रत्येक पसंद के लिए 50 रुपए मिलते हैं और यदि आप वीडियो पसंद करते हैं और एक स्क्रीनशॉट भेजते हैं, तो यह राशि दी जाती है। जिसकी बातों में आकर उपाध्याय ने उक्त व्यक्ति से अपनी व्यक्तिगत जानकारी के साथ-साथ बैंक खाते की जानकारी भी साझा की थी। पुलिस के मुताबिक, वीडियो पसंद करने पर शुरूआत में ठग ने उपाध्याय के गूगल-पे अकाउंट में 300 रुपए भेजे, जिसके मिलने के बाद उपाध्याय के मन में रुपए कमाने की लालच बढ़ गई और उन्होंने टास्क टेलीग्राम ग्रुप पर एक गेम खेलना शुरू किया। इसमें उन्हें तीन टास्क दिए गए और 3 लिंक बनाए गए। टास्क पूरा होने के बाद उनके बैंक खाते में 150 रुपए जमा किए गए। इस तरह ठग ने उनके खाते में थोड़ी-थोड़ी रकम भेजकर उपाध्याय का विश्वास जीत लिया। इसके बाद ठग ने उपाध्याय को अगले टास्क के लिए 10 लाख 52 हजार रुपए देने को कहा, जिसके बाद उपाध्याय ने उक्त राशि भेज दी। जो उन्हें वापस नहीं मिली।

कल्याण में दोस्त ने किया दोस्त पर कोयता से हमला, अस्पताल में भर्ती, जानें क्या है पूरा मामला..

कल्याण : पहले की रंजिश को लेकर एक युवक ने कोयते से हमला कर अपने ही दोस्त को बुरी तरह जख्मी किए जाने का मामला सामने आया हैं। कल्याण के कोलसेबाड़ी पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर एक 18 वर्षीय युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया और आगे की जांच की जा रही हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, कल्याण पूर्व मंगल राधौ नगर स्थित साईबाबा मंदिर के पास रहने वाले राहुल लक्ष्मण भुवड (32) ने कोलसेबाड़ी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाते हुए पुलिस को बताया कि रविवार की शाम करीब

5 बजे वह कल्याण पूर्व लोकग्राम क्षेत्र के मैदान से होकर जा रहा था।

पहले थी रंजिश

जब वह नाले के पुल पर पहुंचा तो वहां पहले से ही खड़ा कल्याण पूर्व के मंगल राधौ नगर निवासी संतोष (18) ने पहले की रंजिश के चलते अचानक कोयता निकालकर उस पर हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हमला कर के आरोपी फरार हो गया। वहां आसपास के लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर पहले राहुल को अस्पताल में पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। राहुल की शिकायत पर कोलसेबाड़ी पुलिस ने आईपीसी की धारा 326 के तहत संतोष के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया हैं और आगे जांच पुलिस उप निरीक्षक डी. एन. पाटिल कर रहे हैं।

यह समाचार पत्र मासिक महाराष्ट्र क्राईम्स मालिक, मुद्रक प्रकाशक सिराज चौधरी द्वारा राजीव प्रिंटर्स, ४९६, पंचशील नगर१, नागसेन बुद्ध मंदिर रोड नं३, तिलक नगर, चेम्बुर, मुंबई४०००८९ से मुद्रित करवा कर ८/ऐ/१६९/२७०२/टागोर नगर, विक्रोली (पू), मुंबई४०००८३ से प्रकाशित किया । RNI NO. : MAHHIN/1998/02261
संपादक सिराज चौधरी मो. ७७७७०६०६८७ www.maharashtracrimes.in / www.maharashtracrimes.blogspot.in Email : editor@maharashtracrimes.in / maharashtracrimes@gmail.com